उत्तराखंड बजट विश्लेषण
2025-26

उत्तराखंड के वित्त मंत्री श्री प्रेमचंद अग्रवाल ने 20 फरवरी, 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट प्रस्तुत किया।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए उत्तराखंड का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी)** (वर्तमान मूल्यों पर) 4,29,308 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 13% अधिक है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 75,170 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 9% अधिक है। इसके अलावा राज्य द्वारा 26,006 करोड़ रुपए का ऋण चुकाया जाएगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधार को छोड़कर)** 62,565 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 6% अधिक है।
- 2025-26 में **राजस्व अधिशेष** जीएसडीपी का 0.6% (2,586 करोड़ रुपए) होने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में संशोधित अनुमान चरण में राजस्व अधिशेष जीएसडीपी का 0.8% (2,852 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 2.9% (12,605 करोड़ रुपए) पर लक्षित है। संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.5% रहने की उम्मीद है जो 2.4% के बजट अनुमान से अधिक है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **उद्यमिता**: स्टार्ट-अप को वित्तपोषित करने के लिए 200 करोड़ रुपए का वेंचर कैपिटल फंड स्थापित किया जाएगा।
- **बिजली**: ग्रिड से बिजली की खपत को नियंत्रित करने के लिए एक स्वचालित मांग प्रतिक्रिया प्रणाली स्थापित की जाएगी। इससे ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित होगी और बिजली कटौती को रोका जा सकेगा।
- **इंफ्रास्ट्रक्चर विकास**: 2025-26 में 220 किलोमीटर नई सड़कें बनाई जाएंगी और 1,500 किलोमीटर मौजूदा सड़कों का नवीनीकरण किया जाएगा। 1,000 किलोमीटर मौजूदा सड़कों का पुनर्निर्माण भी किया जाएगा।

अनिरुद्ध टीआर
anirudh@prsindia.org

30 मार्च, 2025

उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2023-24 में उत्तराखंड की जीएसडीपी (स्थिर मूल्यों पर) में पिछले वर्ष की तुलना में 7.6% की वृद्धि होने का अनुमान है। इसकी तुलना में भारत की जीडीपी में 2023-24 में 9.2% की वृद्धि होने का अनुमान है। 2023-24 में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र में वास्तविक रूप से क्रमशः 1.6%, 9.2% और 7.6% की वृद्धि होने की उम्मीद है।
- **क्षेत्र**: 2023-24 में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों का उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 10%, 47% और 43% योगदान होने का अनुमान है (वर्तमान मूल्यों पर)।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2023-24 में उत्तराखंड की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (वर्तमान मूल्यों पर) 2,95,751 रुपए होने का अनुमान है, जिसमें 2022-23 की तुलना में 13% की वृद्धि है। 2023-24 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2022-23 की तुलना में 8.6% बढ़कर 2,11,725 रुपए होने का अनुमान है।

रेखाचित्र 1: उत्तराखंड में स्थिर मूल्यों पर जीएसडीपी (2011-12)

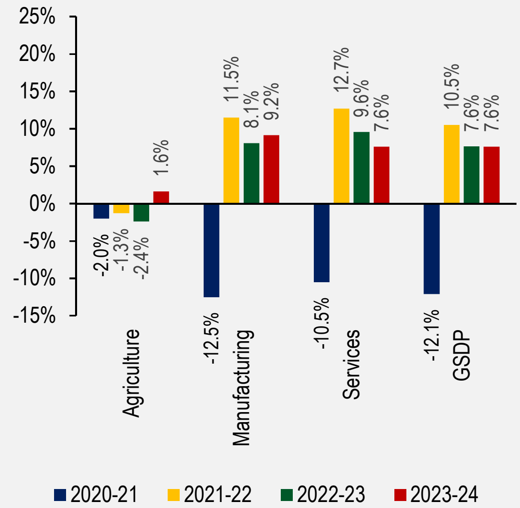

नोट: ये आंकड़े स्थिर कीमतों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: एमओएसपीआई; पीआरएस।

2025-26 के लिए बजट अनुमान

- 2025-26 में 75,170 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** का लक्ष्य है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 9% की वृद्धि है। इस व्यय को 62,565 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारों को छोड़कर)** और 12,464 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियों (उधारों के अलावा) में 2024-25 में संशोधित अनुमान चरण की तुलना में 6% की वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है।
- राज्य ने 2025-26 में जीएसडीपी के 0.6% (2,586 करोड़ रुपए) का **राजस्व अधिशेष** का अनुमान लगाया है, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण में जीएसडीपी के 0.8% का राजस्व अधिशेष है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 2.9% (12,605 करोड़ रुपए) पर लक्षित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 2.5%) से अधिक है। यह शुद्ध प्राप्तियों (6%) की तुलना में शुद्ध व्यय (9%) में उच्च अनुमानित वृद्धि दर के कारण है।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %
कुल व्यय	81,410	89,230	87,922	-1%	1,01,175	15%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	23,030	19,137	19,136	-0.004%	26,006	36%
शुद्ध व्यय (E)	**58,380**	**70,094**	**68,786**	**-2%**	**75,170**	**9%**
कुल प्राप्तियां	79,463	88,597	87,360	-1%	1,01,035	16%
(-) उधारियां	28,832	27,920	28,100	1%	38,470	37%
*जिनमें केंद्रीय कैपेक्स ऋण**	1,968	1,500	1,350	-10%	1,500	11%
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**50,631**	**60,677**	**59,260**	**-2%**	**62,565**	**6%**
राजकोषीय घाटा (E-R)	**7,749**	**9,416**	**9,526**	**1%**	**12,605**	**32%**
जीएसडीपी का %	2.3%	2.4%	2.5%		2.9%	
राजस्व अधिशेष	**3,341**	**4,737**	**2,852**	**-40%**	**2,586**	**-9%**
जीएसडीपी का %	1.0%	1.2%	0.8%		0.6%	
प्राथमिक घाटा	**2,557**	**2,780**	**2,890**	**4%**	**5,615**	**94%**
जीएसडीपी का %	0.8%	0.7%	0.8%		1.3%	
जीएसडीपी	**3,32,998**	**3,94,675**	**3,78,245**	**-4%**	**4,29,308**	**13%**

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। *केंद्र सरकार 2020-21 से राज्य सरकारों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण प्रदान कर रही है। इन ऋणों को राज्य की उधार सीमा की गणना से बाहर रखा गया है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तराखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में व्यय

- 2025-26 के लिए **राजस्व व्यय** 59,955 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 6% अधिक है। इसमें वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसी प्रतिबद्ध मदों और अनुदान तथा सबसिडी जैसी अन्य मदों पर व्यय शामिल है।
- 2025-26 के लिए **पूंजीगत परिव्यय** 14,763 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 25% अधिक है। पूंजीगत परिव्यय परिसंपत्तियों के निर्माण पर होने वाले व्यय को दर्शाता है। जिन प्रमुख क्षेत्रों में पूंजीगत परिव्यय में वृद्धि देखी गई है, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं: (i) जलापूर्ति और स्वच्छता (363% वृद्धि), (ii) एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों का कल्याण (53% वृद्धि), और (iii) ऊर्जा (51% वृद्धि)।
- 2025-26 में राज्य द्वारा दिए जाने वाले ऋण और अग्रिम राशि (एडवांस) 452 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 29% कम है। 2024-25 के संशोधित अनुमान के अनुसार, राज्य द्वारा दिए जाने वाले ऋण और अग्रिम राशि में बजट अनुमान की तुलना में 27% की वृद्धि होने की उम्मीद है। यह

राज्य द्वारा वितरित ऋण

राज्य सरकारें विभिन्न संस्थाओं और संगठनों को ऋण प्रदान करती हैं। 2025-26 में उत्तराखंड ने 452 करोड़ रुपए के ऋण प्रदान करने का बजट रखा है। मार्च 2023 तक उत्तराखंड ने 2,455 करोड़ रुपए के ऋण वितरित किए हैं।

कैग (2024) ने पाया कि ऋणों के पुनर्भुगतान की स्थिति खराब थी। 2018-19 और 2022-23 के बीच, विभिन्न क्षेत्रों को 788 करोड़ रुपए दिए गए और 103 करोड़ रुपए वसूले गए। इस दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में ऋणों का कोई पुनर्भुगतान नहीं हुआ: (i) परिवहन, और (ii) जलापूर्ति, स्वच्छता, आवास और शहरी विकास। इसी अवधि में, मामूली पुनर्भुगतान के बावजूद कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए 75 करोड़ रुपए के अतिरिक्त ऋण दिए गए थे। कैग (2024) ने सुझाव दिया कि राज्य बकाया ऋणों और अग्रिमों को चुकाने में अधिक समग्र और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाए।

स्रोत: राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट 2023 और राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट 2022, कैग; पीआरएस।

निम्नलिखित को दिए जाने वाले ऋणों में वृद्धि के कारण हुआ: (i) जलापूर्ति, आवास एवं शहरी विकास, (ii) पशुपालन, (iii) बिजली परियोजनाएं और (iv) सरकारी कर्मचारी।

तालिका 2: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	47,274	55,816	56,383	1%	59,955	6%
पूंजीगत परिव्यय	10,982	13,780	11,768	-15%	14,763	25%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	124	498	635	27%	452	-29%
शुद्ध व्यय	**58,380**	**70,094**	**68,786**	**-2%**	**75,170**	**9%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तराखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में उत्तराखंड द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 37,678 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 60% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 33%), पेंशन (16%), और ब्याज भुगतान (11%) पर खर्च शामिल है। 2023-24 में, वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों का 58% प्रतिबद्ध व्यय पर खर्च किया गया।

तालिका 3: 2025-26 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %
वेतन	16,638	19,582	19,009	-3%	20,770	9%
पेंशन	7,597	8,146	8,146	0%	9,917	22%
ब्याज भुगतान	5,192	6,636	6,636	0%	6,990	5%
कुल	**29,428**	**34,364**	**33,791**	**-2%**	**37,678**	**12%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तराखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान राज्य के बजटीय व्यय का 58% हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में उत्तराखंड के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: उत्तराखंड बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %	बजटीय प्रावधान (2025-26)
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	10,268	11,700	11,931	12,466	4%	▪ सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के लिए 3,618 करोड़ रुपए तथा सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के लिए 4,014 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	3,690	4,450	4,451	5,051	13%	▪ बागवानी एवं सब्जियों की फसलों के लिए 688 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	4,597	4,574	4,383	4,748	8%	▪ ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं (एलोपैथिक) के लिए 1,662 करोड़ रुपए और शहरी स्वास्थ्य सेवाओं (एलोपैथिक) के लिए 927 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
समाज कल्याण एवं पोषण	4,348	4,572	5,380	4,509	-16%	▪ बाल कल्याण के लिए 945 करोड़ रुपए और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत पेंशन के लिए 725 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	3,713	4,552	4,259	4,363	2%	▪ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए 1,138 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	1,731	1,186	1,220	3,131	157%	▪ जल जीवन मिशन के लिए 1,843 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
पुलिस	2,323	2,667	2,615	2,856	9%	▪ जिला पुलिस के लिए 1,548 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
परिवहन	2,570	2,894	2,878	2,648	-8%	▪ जिला एवं अन्य सड़कों के लिए 1,961 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	1,162	2,175	1,822	1,926	6%	▪ मुख्य सिंचाई के लिए 1,312 करोड़ रुपए और लघु सिंचाई के लिए 273 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	673	1,263	911	1,403	54%	▪ बिजली परियोजनाओं के पूंजीगत परिव्यय हेतु 1,202 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों पर कुल व्यय का %	**60%**	**58%**	**58%**	**58%**		

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तराखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए **कुल राजस्व प्राप्तियां** 62,541 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 6% अधिक है। इसमें से 28,410 करोड़ रुपए (45%) राज्य **अपने संसाधनों से** जुटाएगा और 34,130 करोड़ रुपए (55%) **केंद्र से प्राप्त होंगे**। केंद्र से मिलने वाले संसाधन केंद्रीय करों में राज्य के हिस्से (राजस्व प्राप्तियों का 25%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 29%) के रूप में होंगे।
- **हस्तांतरण**: 2025-26 में केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा 15,903 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है।
- 2025-26 में **केंद्र से अनुदान** 18,227 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 0.5% की मामूली वृद्धि है।
- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: उत्तराखंड का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 24,015 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 8% अधिक है। 2025-26 में जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 5.6% अनुमानित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों (5.9%) से कम है। 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 5.8% था।

15वें वित्त आयोग के अनुदान

15वें वित्त आयोग (एफसी) की संस्तुति के आधार पर राज्यों को केंद्र से कुछ अनुदान प्राप्त होते हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं: राजस्व घाटा अनुदान, स्थानीय निकायों के लिए अनुदान, आपदा प्रतिक्रिया निधि के लिए अनुदान और स्वास्थ्य क्षेत्र अनुदान। 2025-26 में उत्तराखंड को एफसी अनुदान के रूप में 4,764 करोड़ रुपए मिलने का अनुमान है। इसमें से 1,184 करोड़ रुपए ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों के लिए हैं और 1,142 करोड़ रुपए राज्य आपदा प्रतिक्रिया और शमन निधि के लिए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र अनुदान के रूप में भी 339 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कैग (2024) ने कहा था कि 2022-23 में राज्य को निम्नलिखित के लिए अनुदान का अनुशंसित हिस्सा नहीं मिला: (i) ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकाय, (ii) आपदा प्रतिक्रिया निधि और (iii) स्वास्थ्य क्षेत्र। 2022-23 में राज्य के स्थानीय निकायों के लिए अनुदान के रूप में 657 करोड़ रुपए की सिफारिश के मुकाबले 478 करोड़ रुपए (73%) जारी किए गए। 2022-23 में राज्य आपदा प्रतिक्रिया निधि के लिए अनुदान के रूप में 984 करोड़ रुपए की सिफारिश की गई थी। इसके मुकाबले 886 करोड़ रुपए (90%) जारी किए गए। स्वास्थ्य क्षेत्र अनुदान के रूप में 150 करोड़ रुपए की सिफारिश के मुकाबले 2022-23 में कोई धनराशि जारी नहीं की गई। 2021-22 में राज्य के स्थानीय निकायों के लिए 634 करोड़ रुपए की सिफारिश के मुकाबले 565 करोड़ रुपए (90%) जारी किए गए।

स्रोत: राज्य वित्त ऑडिट रिपोर्ट 2022-23 और 2021-22, कैग, 2023 और 2024; पीआरएस।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	19,245	22,509	22,134	-2%	24,015	8%
राज्य के स्वयं गैर कर	4,418	4,873	4,577	-6%	4,395	-4%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	12,628	13,637	14,387	6%	15,903	11%
केंद्र से सहायतानुदान	14,324	19,533	18,137	-7%	18,227	0.5%
राजस्व प्राप्तियां	**50,615**	**60,553**	**59,236**	**-2%**	**62,541**	**6%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	16	124	24	-80%	24	0%
शुद्ध प्राप्तियां	**50,631**	**60,677**	**59,260**	**-2.3%**	**62,565**	**6%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तराखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य जीएसटी** के स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत (47% हिस्सा) होने का अनुमान है। राज्य जीएसटी राजस्व में 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 10% की वृद्धि होने का अनुमान है।

- 2025-26 में राज्य उत्पाद शुल्क राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 12% अधिक होने का अनुमान है।
- 2025-26 में वाहनों पर करों से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 11% अधिक होने की उम्मीद है। 2024-25 के संशोधित चरण में, इस स्रोत से राजस्व में 6% की कमी आने की उम्मीद है।
- बजट चरण की तुलना में 2024-25 में संशोधित चरण में भूराजस्व में 42% की कमी आने की उम्मीद है। 2025-26 में भूराजस्व में 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 5% की वृद्धि होने की उम्मीद है।

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	8,297	10,201	10,199	-0.02%	11,221	10%
राज्य उत्पाद शुल्क	4,041	4,439	4,499	1%	5,060	12%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	2,432	2,665	2,682	1%	2,799	4%
सेल्स टैक्स/वैट	2,519	2,504	2,521	1%	2,501	-1%
वाहन कर	1,390	1,550	1,451	-6%	1,604	11%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	334	550	525	-5%	550	5%
भूराजस्व	14	50	29	-42%	30	5%
जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान	477	0.0001	0.0001	0%	0.0001	0%

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, उत्तराखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

उत्तराखंड के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2005 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व घाटा: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। बजट में 2025-26 में 2,586 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 0.6%) के राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया गया है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.9% रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को जीएसडीपी के 3% तक राजकोषीय घाटे की अनुमति दी है। बिजली क्षेत्र में कुछ सुधार करने के लिए जीएसडीपी के 0.5% तक अतिरिक्त उधार लेने की गुंजाइश भी उपलब्ध होगी। संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.5% रहने का अनुमान है। यह जीएसडीपी के 2.4% के बजट अनुमान से अधिक है।

बकाया ऋण: बकाया ऋण एक वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उधार का संचय होता है। 2025-26 के अंत में बकाया ऋण जीएसडीपी का 25% होने का अनुमान है जो 2024-25 के बजट अनुमान (जीएसडीपी का 24%) से अधिक है।

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

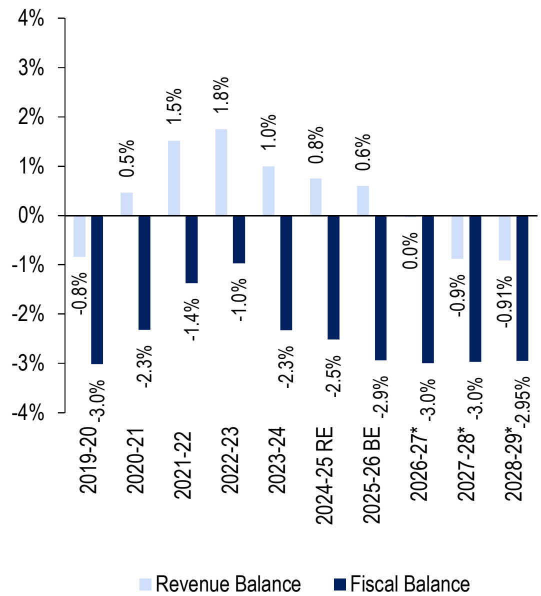

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। नेगेटिव आंकड़े घाटे का संकेत हैं। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, उत्तराखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया ऋण (जीएसडीपी का %)

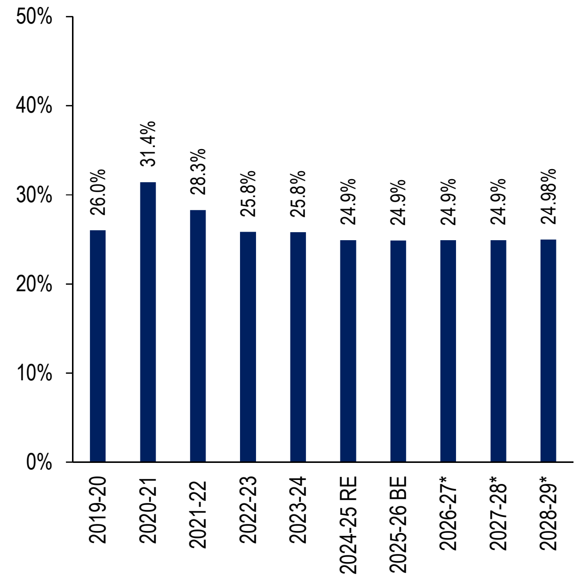

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। BE बजट अनुमान है। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, उत्तराखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों के बकाया ऋण में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक प्रकृति की हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकारें वित्तीय संस्थाओं से राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के उधार की गारंटी देती हैं। 2025-26 के लिए राज्य की बकाया गारंटी 106 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो उत्तराखंड के जीएसडीपी का 0.02% है।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में उत्तराखंड के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (उत्तराखंड सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: उत्तराखंड ने 2025-26 में अपने व्यय का 16.7% शिक्षा के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से अधिक है।
- **स्वास्थ्य**: उत्तराखंड ने 2025-26 में अपने व्यय का 6.4% स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) से अधिक है।
- **ग्रामीण विकास**: उत्तराखंड ने 2025-26 में अपने व्यय का 5.8% ग्रामीण विकास के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास के लिए औसत आवंटन (5.1%) से अधिक है।
- **सड़कें और पुल**: उत्तराखंड ने 2025-26 में अपने व्यय का 3% सड़कों और पुलों के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा सड़कों और पुलों के लिए औसत आवंटन (4.3%) से कम है।
- **ऊर्जा**: उत्तराखंड ने 2025-26 में ऊर्जा के लिए अपने व्यय का 1.9% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा कृषि के लिए औसत आवंटन (5%) से कम है।
- **जलापूर्ति और स्वच्छता**: उत्तराखंड ने 2025-26 में जलापूर्ति और स्वच्छता के लिए अपने व्यय का 4.2% आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा जलापूर्ति और स्वच्छता के लिए औसत आवंटन (2.5%) से अधिक है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

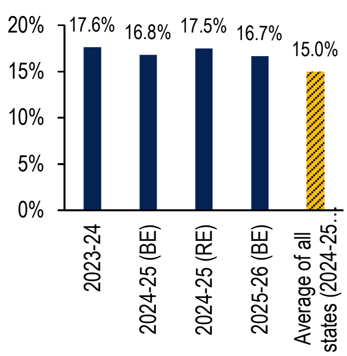

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

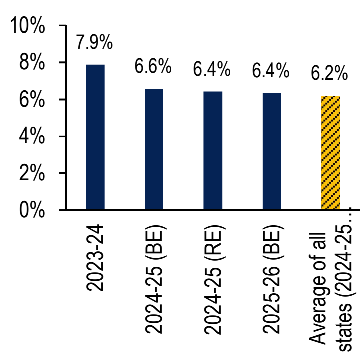

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

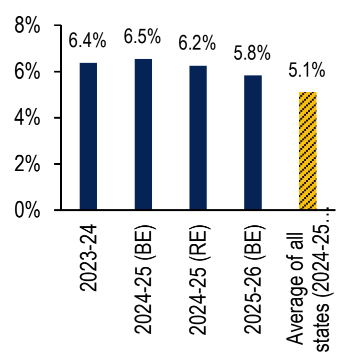

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दूचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

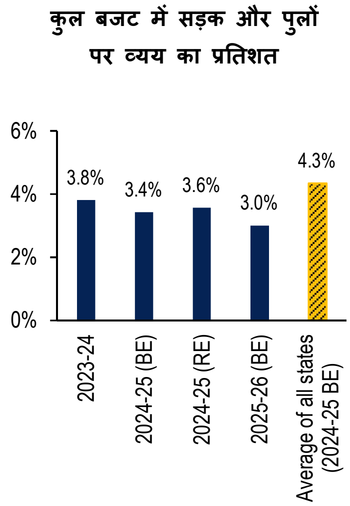

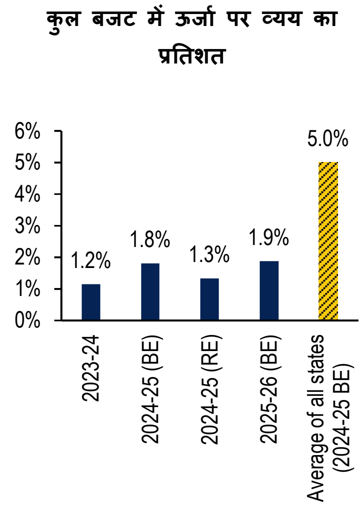

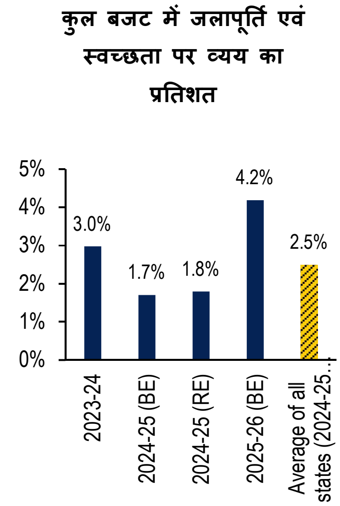

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े उत्तराखंड के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, उत्तराखंड बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।

अनुलग्नक 2: 2023-24 के बजटीय अनुमानों और वास्तविक के बीच तुलना

यहां तालिकाओं में 2023-24 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	**57,133**	**50,631**	**-11%**
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	57,057	50,615	-11%
क. स्वयं कर राजस्व	19,983	19,245	-4%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	4,762	4,418	-7%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	11,420	12,628	11%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	20,893	14,324	-31%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	75	16	-79%
3. उधारियां	19,460	28,832	48%
जिनमें से कैपेक्स लोन	1,300	1,968	51%
शुद्ध व्यय (4+5+6)	**66,179**	**58,380**	**-12%**
4. राजस्व व्यय	52,748	47,274	-10%
5. पूंजीगत परिव्यय	13,134	10,982	-16%
6. ऋण और अग्रिम	298	124	-58%
7. ऋण पुनर्भुगतान	11,228	23,030	105%
राजस्व अधिशेष	**4,310**	**3,341**	**22%**
राजस्व अधिशेष (जीएसडीपी का %)	1.3%	1.0%	
राजकोषीय घाटा	**9,047**	**7,749**	**-14%**
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	2.7%	2.3%	

स्रोत: विभिन्न वर्षों के उत्तराखंड बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर स्रोत/मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
भूराजस्व	54	14	-74%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	550	334	-39%
वाहन कर	1,475	1,390	-6%
राज्य जीएसटी	8,788	8,297	-6%
सेल्स टैक्स/वैट	2,603	2,519	-3%
राज्य उत्पाद शुल्क	3,950	4,041	2%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	2,063	2,432	18%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के उत्तराखंड बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण	475	269	-43%
ऊर्जा	1,172	673	-43%
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	5,037	3,690	-27%
ग्रामीण विकास	4,845	3,713	-23%
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	1,507	1,162	-23%
आवास	318	274	-14%
शहरी विकास	1,258	1,136	-10%
परिवहन	2,708	2,570	-5%
जिसमें सड़कें और पुल शामिल हैं	2,257	2,224	-1%
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	10,907	10,268	-6%
पुलिस	2,447	2,323	-5%
समाज कल्याण एवं पोषण	4,558	4,348	-5%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	4,435	4,597	4%
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	1,283	1,731	35%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के उत्तराखंड बजट दस्तावेज; पीआरएस।